प्रकाशन तिथि : 01 जुलाई, 2024
प्रेषण तिथि : 04 जुलाई, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 08 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

हमारे आचरण से होता है संघ का मूल्यांकनः संघप्रमुख श्री

(माननीय संघप्रमुख श्री का जैसलमेर, जोधपुर, बालोतरा व जालौर प्रवास)

बाड़मेर

जिस प्रकार परिवार में छोटे बच्चे बड़ों को श्रेष्ठ मानकर उनके आचरण का अनुसरण करते हैं, वैसे ही संघ में आने पर लोग हमारे आचरण को देखकर प्रेरणा भी लेते हैं और उससे संघ का मुल्यांकन भी करते हैं। श्रेष्ठ व्यक्ति को कभी नेष्ट आचरण नहीं करना चाहिए क्योंकि उसका अनुसरण अन्य लोग भी करते हैं। इसलिए हमें भी यह सदैव स्मरण रखना चाहिए कि हम संघ के स्वयंसेवक हैं और इसीलिए हमारा आचरण श्रेष्ठ होना चाहिए जिसको देखकर अन्य लोग भी प्रेरणा ले सकें। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख माननीय लक्ष्मण सिंह जी बैण्याकाबास ने 12 जून को अपने जैसलमेर प्रवास के दौरान रासला स्थित माँ देगराय मन्दिर प्रांगण में श्री क्षत्रिय युवक संघ के कर्मचारी वर्ग के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर में शिविरार्थियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि प्रथम शिविर में हमारे भीतर जो भाव जगता है, वह मसाणिया वैराग्य की तरह है। इस भाव को स्थायी रखने के लिए निरंतर शाखा व शिविरों में आकर अभ्यास करना होगा। चार दिन का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हमें ऐसा लगता है कि इतने दिन तक हम आलस्य, प्रमाद आदि दुर्गणों में जीवन व्यतीत कर रहे थे लेकिन अब हम हमारे जीवन में नई क्रांति लाएगे अर्थात हमारे जीवन में नया बदलाव आएगा। ऐसा तभी संभव होगा जब हम श्री क्षत्रिय युवक संघ में नियमितता और निरंतरता बनाए रखेंगे। इस यज्ञ में हम समय-समय पर आहुति देते रहेंगे अर्थात हम लगातार संघ के संपर्क में रहेंगे तो हमारी सक्रियता भी निरंतर बनी रहेगी। उन्होंने आगे बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ ध्यान योग की सर्वश्रेष्ठ प्रणाली है। यहां हमारा ध्यान अन्य बातों से हटकर स्वतः ही एक उद्देश्य में केंद्रित हो जाता है। यह ईश्वरीय कार्य है, इसे ऐसा ही समझकर करने से न भय रहेगा, न अहंकार आएगा और न ही विपरीत परिस्थितियों में दुःख होगा। माननीय संघप्रमुख श्री 11 जून को रासला पहुंचे तथा शिविर में रात्रिकालीन कार्यक्रम में शिविरार्थियों के अनुभव सुनें। 12 जून को शिविर समापन के अवसर पर क्षत्रिय अधिकारियों व कर्मचारियों का संवाद कार्यक्रम माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सभी ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र के अनुभव सुनाए तथा सदैव समाज कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने की बात कही। अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा समाज के व्यक्तियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने, ईडब्ल्यूएस आरक्षण, समाज के युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने, समाज के बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने आदि विषयों पर चर्चा की गई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्षत्रियोचित संस्कार सृजन की पाठशाला में संघदर्शन का व्यावहारिक अभ्यास

रासला

(11 शिविरों में 1300 शिविरार्थियों ने लिया संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण)

श्री क्षत्रिय युवक संघ के दर्शन की व्यावहारिक प्रयोगशाला उसके शिविर हैं जहां सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के द्वारा राजपूत युवाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों का सृजन किया जाता है। मई में गांधीनगर में आयोजित उच्च प्रशिक्षण शिविर के पश्चात प्रारंभ नए सत्र में शिविरों के आयोजन का क्रम निरंतर जारी है। इसी क्रम में 8 से 23 जून की अवधि में विभिन्न स्थानों पर 11 चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 1300 शिविरार्थियों ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जैसलमेर जिले के रासला गांव में स्थित श्री देगराय माता मंदिर परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का पुरुष कर्मचारी वर्ग का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 9 से 12 जून तक आयोजित हुआ जिसमें जिले में विभिन्न विभागों में कार्यरत 70 राजपूत कर्मचारी सम्मिलित हुए। संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिवरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिस मार्ग पर हमारे पूर्वज चले हैं, वही हमारा स्वधर्म है, वही हमारे जीवन का उद्देश्य है और वही संघ का भी उद्देश्य है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य लोक संग्रह का कार्य है। जिस प्रकार भगवान राम ने अपने ध्येय की सिद्धि के लिए वनवासियों के बीच जाकर लोकसंग्रह का कार्य किया और असंस्कृत वनवासी जातियों को अपने आचरण से प्रेरणा देकर उन्हें सुसंस्कृत बनाया, उसी प्रकार श्री क्षत्रिय युवक संघ भी समाज में संस्कार निर्माण का कार्य कर रहा है। अंतिम दिन विदाई के समय रणधा ने कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी के सपनों को साकार करने का भार हमारे ही कंधों पर है। अपने इस दायित्व को हम समझें और तुरंत ही इसमें लग जाएं, तभी इस शिविर में लिया गया शिक्षण सार्थक होगा। शिविर के समापन से पूर्व सभी शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि यह शिविर उनके जीवन में एक जागृति की किरण के रूप में आया है और वे निरंतर संघ के संपर्क में रहकर अपने जीवन में निखार लाने का प्रयत्न करते रहेंगे। शिविर के अंतिम दो दिन माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास का सान्निध्य भी शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। जयपुर जिले की चौमूं तहसील के इटावा भोपजी स्थित सूर्यम अकादमी में भी 15 से 18 जून तक एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हम अपने भीतर जिन प्रवृत्तियों और गुणों को अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं, वे ही प्रवृत्तियां और गुण शक्तिशाली होकर हमारे व्यक्तित्व में प्रभावी हो जाते हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर जिस तत्व की स्थापना करता है उसे यदि हम अपने व्यक्तित्व में ढालना चाहते हैं तो उसके लिए अनुकूलता का सृजन करना होगा और प्रतिकूलताओं से उसकी रक्षा करनी होगी। शाखा संघ के अनुकूल वातावरण को बनाए रखने का श्रेष्ठतम माध्यम है। इसलिए आप जहां भी रह रहे हैं, वहां लगने वाली शाखा में अवश्य जाएं और यदि वहां शाखा नहीं लगती है तो आप शाखा प्रारंभ करें। शिविर में ईटावा भोपजी के अतिरिक्त सींगोद, करीरी, महरोली, दिवराला, लिसाड़िया, नाथूसर, आसपुरा, नारेहेड़ा, टसकोला, खन्नीपुरा, बलेखण, सान्दरसर, जालिमसिंह का वास, लोहरवाड़ा, नांगल लाडी, विजयपरा, बैण्याकाबास, लाखणी, किशन मानपुरा, अजीतगढ, श्यामपुरा, चूड़ी चतरपुरा आदि गांवों के 180 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आर्थिक आरक्षण की त्रुटियां : हासिये पर राजपूत समाज

बहुआयामी गरीबी और आर्थिक निर्बलता से उत्पन्न अंतरपीढ़ीगत समस्या का समाधान सतत विकास लक्ष्य-1 (SDG-1) के रूप मे विश्व की पहली चुनौती है। भारतीय संविधान सभा में चर्चा के दौरान डॉ. अम्बेडकर ने 'न्याय' की तीन श्रेणी- समाजिक, आर्थिक और शैक्षिक बताई और उसकी प्राप्ति को ही समानाधिकारवादी राष्ट्र का लक्ष्य बताया था। भारतीय संविधान मे सम्पूर्ण न्याय और समग्र समानता के लिए वंचित वर्ग को समाज की मुख्यधारा मे जोड़ने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। भारत में अनारक्षित वर्ग मे एक वंचित श्रेणी, जो न सिर्फ पिछड़ी भी है अपितु देश के संसाधनों और आधुनिक साधनों मे उसकी हिस्सेदारी भी बहुत कम है। ये वंचित श्रेणी समाज में हासिये पर थी और मौजूदा आरक्षण के प्रावधानों से बाहर थी। 2019 मे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे संसद के दोनों सदनो ने संविधान के ऐतिहासिक 103वें संसोधन से आर्थिक कमजोर वर्ग (EWS) को 10% आरक्षण के प्रावधान को पारित किया था। उसी वर्ष राजस्थान सहित राज्य सरकारों ने भी EWS को 10% का आरक्षण दिया था। गत वर्ष सर्वोच्च अदालत ने इस पर संवैधानिक मोहर लगा कर इसे प्रगतिशील और ऐतिहासिक कार्य बताया।

सैद्धांतिक रूप से EWS का 10% आरक्षण समान्य वर्ग के वंचित वर्ग के लिए उपलब्ध है पर उससे जुड़ी जटिल शर्तें और विसंगति ने धरातल पर इसके प्रभाव को कमजोर किया है। केंद्र में मौजूदा रूप में EWS एक अधूरा न्याय है। EWS की प्रमुख शर्तें, जिसमे 5 एकड़ कृषि योग्य भूमि और मकान के निश्चित क्षेत्रफल को आधार बनाया है। ये शर्तें किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत और तर्कसंगत नहीं है। मौजूदा EWS मे अन्य वर्गों की तरह आयु सीमा मे भी कोई छूट नहीं है। इन्हीं जटिल शर्तों के कारण बहुत से वंचित युवक, विशेषकर गांवो के गरीब विद्यार्थी और महिला अभ्यर्थी, EWS के दायरे से बाहर हो जाते हैं और उनके हिस्से की दावेदारी किसी और वर्ग को मिल जाती है। राजस्थान, गुजरात व आंध्रप्रदेश सरकार ने EWS की अव्यवहारिक शर्तों को दूर कर इस आरक्षण में व्याप्त न्याय की अवधारणा को स्थापित किया। सुधार होने से हजारों ग्रामीण युवकों और युवतियों को विगत वर्षों मे रोजगार मिला। आंध्र प्रदेश की गत सरकार ने तो एक कदम आगे जाकर जाति आधारित विभाजन का भी प्रयास किया ताकि जो जाति अधिक पिछड़ी है उसे जनसंख्या के अनुपात में EWS में हिस्सेदारी मिले। अभी तक कुल 8 राज्यों ने EWS कि शर्तों में सम्पूर्ण या आंशिक सुधार कर इसे धरातल पर व्यावहारिक बनाया है।

EWS के सरलीकारण की आवश्यकता से संबंधित कुछ तथ्य निम्नानुसार हैं :-

(क) UPSC के वार्षिक रिपोर्ट- 2019 और 2020 के अनुसार, EWS श्रेणी में आवेदकों की संख्या अन्य वर्गों की अपेक्षा में बहुत कम है। UPSC-2019 के सिविल सर्विस (IAS/IPS/IRS आदि) परीक्षा मे एक पद पर आवेदकों की संख्या के आधार पर EWS श्रेणी में प्रति पद अनुसूचित जाति से 3.6 गुना कम, अनुसचित जनजाति से 3 गुना और ओबीसी मे 2.5 गुना कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। यही स्थिति UPSC सिविल सर्विस-2020 के आवेदनों में है, जिसमें EWS श्रेणी मे अन्य वर्गों के मुकाबले कम आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। UPSC की अन्य परीक्षाओं जैसे इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस (IES) और इंडियन फारेस्ट सर्विस (IFoS) में भी अन्य वर्गों के मुकाबले EWS श्रेणी में बहुत कम आवेदन होते हैं। SSC के तीन मुख्य परीक्षाओं-CGL, CHSL और CPO में भी EWS श्रेणी मे अन्य वर्गों के सापेक्ष कम आवेदन होते हैं। उदाहरण के लिए, SSC-CPO 2020 में EWS श्रेणी में अनुसूचित जाति से 4.4 गुना कम, अनुसूचित जनजाति से 4 गुना कम और ओबीसी से 3.3 गुना कम आवेदन प्राप्त हुए हैं। फाइनेंसियल सेक्टर की परीक्षाएं जैसे सेबी और रिजर्व बैंक, नाबार्ड की परीक्षा में EWS श्रेणी मे स्थिति और भी दयनीय हैं। जैसे सेबी-2022 के ग्रेड 'A' मे EWS वर्ग के आवेदन अनुसूचित जाति से 6 गुना कम, अनुसूचित जनजाति से 3.5 गुना कम और ओबीसी से 2 गुना कम हैं।

EWS श्रेणी मे महिला अभ्यार्थियों की संख्या भी अन्य वर्ग के मुकाबले कम है। परीक्षाओं में EWS वर्ग की सफल महिला अभ्यार्थियों की संख्या अन्य वर्ग के मुकाबले कम रही है। जब जनसंख्या मे आधे हिस्सेदारी करने वाली EWS महिलायें प्रशासनिक पदों पर उचित प्रतिनिधित्व से वंचित रहेंगी तो केंद्र सरकार के प्रमुख जयघोष 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के लक्ष्य की हार होगी।

अतः EWS कि जटिल शर्तें और अन्य वर्गों की तरह प्रोत्साहित करने वाली छूट न मिलने की वजह से EWS श्रेणी मे आवेदक कम होते हैं। तमाम जटिल शर्तों की वजह से ग्रामीण और महिला अभ्यार्थियों की संख्या EWS मे बहुत कम रही है।

(ख) EWS की एक अजीब शर्त 5 एकड़ से कम कृषि भूमि है जो खेती करने वाले समूह को EWS के लाभ से वंचित करती है। किसानों के आय दुगुनी करने वाली डॉ अशोक दलवई समिति के अनुसार किसानों की 2015-16 मे औसत आय मात्र 72,000 थी, जिसमें छोटे किसान (5 एकड़ तक की भूमि वाले) की आय मात्र 61000/-, मध्यम वर्गीय किसान (5 से 24 एकड़) की आय 100000/- के करीब है और बड़े किसान (24 एकड़ से अधिक) की औसत आय 4,63,000/- है। नीति आयोग की रिपोर्ट-2017 के अनुसार भी किसान की प्रति एकड़ औसत कृषि आय 2013-14 मे मात्र 31,270/- थी।

हाल ही मे प्रकशित भारत सरकार के भूमि सर्वे NSS-77वी राऊंड के मुताबिक सबसे बड़े किसान वर्ग (24 एकड़ से अधिक कृषि भूमि) की कृषि आय 7,63,000/- है तथा निम्न मध्यम वर्ग के किसान (5-10 एकड़) और उच्च मध्यम वर्ग (10-24 एकड़) के कृषक की कृषि आय क्रमशः 1,98,000/- और 3,40,000/- है। भारत सरकार के तमाम आंकड़ों के मुताबिक भारत के किसी भी राज्य के हिस्से मे 5 एकड़ से अधिकतम कृषि आय 2.5 लाख से अधिक नहीं होती है तो फिर 5 एकड़ को 8 लाख के समान शर्तों में कैसे डाला गया, यह समझ से परे है। EWS में संचित और मरुभूमि में भी कोई अंतर नहीं रखा गया हैं। भारत के पश्चिमी राज्य, विशेषकर राजस्थान और गुजरात, मे प्रति एकड़ कृषि की उपज और उत्पादकता पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों के आकड़ो की एक-तिहाई है। राजस्थान की 63% भूमि मरुभूमि है और अधिकांश भूभाग शुष्क जलवायु मे आता है। राजस्थान में कृषि भूमि में सिंचित भूमि मात्र 30% है जबकि पंजाब और हरियाणा मे संचित भूमि 95-99% है। राजस्थान, विशेषकर पश्चिमी जिलों में मरुभूमि की कोई आर्थिक उपयोगिता नहीं है।

EWS में कृषि भूमि को तो शामिल किया गया है लेकिन अन्य आर्थिक संपत्ति (Financiall assets), निवेश के माध्यम जैसे शेयर, बैंक बैलेंस, बचत पत्र आदि तथा ज्वैलरी, महंगी आधुनिक गाड़ियां और यन्त्र, व्यवसायिक दुकान या उद्योग आदि को शर्तों में शामिल नहीं किया गया हैं। एक तरफ देश में संपत्ति कर (wealth tax) को प्रतिगामी मान कर खत्म किया गया है, वहीं दूसरी ओर EWS में संपत्ति के नाम पर 5 एकड़ की कृषि भूमि और पैतृक घर को शामिल कर सिर्फ किसान और ग्रामीण जन को बाहर रखने की गहरी साजिश बुनी गयी है। जहाँ एक ओर शहरों में संपन्न वर्ग के फर्जी EWS सर्टिफिकेट आराम से बन रहे हैं तो उधर बंजर भूमि वाले गरीब किसान आर्थिक आरक्षण के अयोग्य हैं। दिल्ली मे बंद वतानुकलित कमरे में बनायी गयी EWS की तुगलकी शर्तें गरीब किसानों पर दोहरी मार है। एक तरफ तो किसान कर्ज और अनियमित जलवायु की मार झेलता है तो दूसरी तरफ आर्थिक आरक्षण के दायरे से साजिश के तहत बाहर किया गया है। राजपूत के अलावा महाराष्ट्र में मराठा, गुजरात मे पटेल / पाटीदार, ठाकोर आदि , हरियाणा एवं पश्चिमी उप्र मे जाट, बिहार में भूमिहार, ओड़िशा में खांडायत, आंध्र और तेलंगाना में रेडी, राजू, कापू आदि खेतिहर कौम EWS की जमीन और मकान की अव्यवहारिक शर्तों से प्रभावित हैं। EWS के सम्पूर्ण लाभ से वंचित कृषक जातियां जो आर्थिक संकट, जो मुख्यतः कृषि आधारित ही हैं, से जूझ रही हैं और अपने लिए अलग आरक्षित कोटा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष कर रही हैं।

(ग) EWS वर्ग के लिए 23 IITs में लगभग 1700 सीट्स, NEET (UG) के द्वारा 386 सरकारी संस्थानों में 5588 सीट्स, कैट परीक्षा के द्वारा 21 IIMs में 407 सीट्स आरक्षित हैं। इसके अलावा सैंकड़ो CSIR, DRDO, ISRO आदि की सैकड़ों प्रयोगशालाएं और सेंटर हैं जिनमें EWS वर्ग के लिए सीट्स निर्धारित हैं। इन्हीं आधुनिक संस्थानों से प्रति वर्ष हजारों स्टार्टअप और परिवर्तनात्मक टेक्नोलॉजी निकलती है। EWS होने का बाबजूद इस संस्थानों में खेतिहर अनारक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व नाममात्र ही है।

राजपूत समाज की बात करें तो EWS वर्ग के लिए CEUT परीक्षा के माध्यम से 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों और 69 राज्य विश्वविद्यालयों में करीब 30 हजार सीट्स आरक्षित हैं और यहां राजपूत वर्ग का प्रतिनिधित्व अपनी जनसंख्या के एक चौथाई संख्या वाले जाति वर्ग से भी कम होता है। Forbes पत्रिका में भारत के 161 बिलियनयर्स की सूची में कोई राजपूत समुदाय का व्यक्ति नहीं हैं जबकि ब्राह्मण और बनिया वर्ग के बहुतायत संख्या के अलावा अन्य कृषक जाति रेडी, पटेल, मराठा, जाट आदि के लोग इस बिलियनयर्स के लिस्ट में शामिल हैं। आज देश के किसी भी स्टार्टअप यूनिकॉर्न (1 बिलियन मार्केट कैप) का फाउंडर या ओनर राजपूत समुदाय का व्यक्ति नहीं हैं।

UPSC से आईएएस, आईपीएस आदि पदों पर प्रति वर्ष अन्य जातियों, मुख्यतः ब्राह्मण, बनिया, कोइरी, जाट, यादव, भूमिहार आदि के युवाओं का सिलेक्शन उनकी जनसंख्या के अनुपात से बहुत बेहतर होता है, जबकि राजपूत समुदाय का सिलेक्शन मुश्किल से UPSC के 1000 पदों में औसत 20-22 ही होता हैं, जो मुस्लिम अभ्यार्थिओं (लगभग 50) के सिलेक्शन से भी कम है।

आधुनिक शिक्षा और आर्थिक क्षेत्र में हर मापदंडो में पिछड़ने से राजपूत समुदाय हर वर्ष गरीबी के गर्त में डूबा जा रहा है। देश और काल की दशा तय करने वाले समुदाय को अपने हक और न्याय के लिए एकत्रित, नियंत्रित, शिक्षित और सुनियोजित होना पड़ेगा। प्रगति के वाहक EWS को तुगलकी और साजिशपूर्ण शर्तों की जंजीरो से मुक्त करना होगा। राजपूत समुदाय को जनसंख्या के अनुसार अपने देश के संसाधनों और आधुनिक कौशल में अपनी न्यायोचित हिसेदारी बढ़ाने की जरुरत है।

'जब EWS जंजीरो से मुक्त होगा,
तब राजपूत भी शिक्षा से संयुक्त होगा।
वो जब भी हक के लिए संगठित होगा,
तब वो प्रगति में युक्त होगा'

-दिनेश सिंह, Entrepreneur & पूर्व रिसर्चर, IISc, बैंगलोर
और **प्रमोद सिंह,** Technocrat & शिक्षाविद

मेहसाणा व महीसागर प्रांत में संपर्क यात्रा का आयोजन

उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत के विभिन्न गांवों में 16 जून को संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें पिलवाई, खणुशा, वसई, डाबला, कड़ा और दढियाल कुल्चा गांवों में संपर्क कर समाजबंधुओ को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। गुजरात शाखा विस्तारक विक्रम सिंह कमाना, उत्तर गुजरात संभाग प्रमुख वनराज सिंह भैंसाना और इंद्रजीतसिंह जेतलवासना यात्रा में उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान इन गांवों में चार बालिका शाखा सहित कुल पांच शाखाएं प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया, साथ ही दो गांवों में स्नेहमिलन के आयोजन का भी निर्णय हुआ। मध्य गुजरात संभाग में महीसागर प्रांत के त्राकडी, चूथाना मुवाडा और मोटा सोनेला गांवों में भी 23 जून को संपर्क यात्रा की गई जिसमें केंद्रीय कार्यकारी दीवान सिंह काणेटी, प्रांतप्रमुख पूर्णचंद्र सिंह छेल्लीघोड़ी व नागेंद्र सिंह गेड साथ रहे।

सूरत शाखा में मनाया अधिकतम संख्या दिवस

सूरत संभाग के सूरत ग्रामीण प्रांत में वीर दुगार्दास शाखा द्वारा 16 जून को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया जिसमें 302 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। संभाग प्रमुख खेत सिंह चादेसरा एवं प्रांत प्रमुख भवानी सिंह माड़पुरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

संघशक्ति में शिक्षक विचार गोष्ठी का आयोजन, श्री प्रताप शिक्षक संघ राजस्थान का गठन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर स्थित संघशक्ति कार्यालय में क्षत्रिय शिक्षकों की विचार गोष्ठी का आयोजन 24-25 जून को किया गया जिसमें समाज के शिक्षकों की समाज के विकास में भागीदारी एवं इसमें आने वाली चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी ने एकमत होकर कहा कि शिक्षकों को संगठित होकर सामाजिक में कार्य करना होगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए गोष्ठी में ही श्री प्रताप शिक्षक संघ राजस्थान नाम से संस्था का गठन किया गया और उसकी कार्यकारिणी का मनोनयन भी किया गया। संगठन का शीघ्र ही पंजीकरण करवाने का निर्णय भी किया गया।

रायथलिया में समारोह पूर्वक मनाई राव दूदाजी की जयंती

मकराना क्षेत्र के रायथलिया गांव में मेड़तिया वंश के मूल पुरुष राव दूदाजी की जयंती 15 जून को समारोह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा ने कहा कि राव दूदा जी ने मेड़ता क्षेत्र में अपने शासन के दौरान इस प्रकार का वातावरण निर्मित किया जिसमें सभी वर्ग स्वयं को सुरक्षित अनुभव करते थे। उनके सुशासन ने ही इस क्षेत्र की प्रगति की नींव रखी। भाजपा नेता श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि लोकतंत्र में सभी धर्म एवं वर्गों को साथ लेकर चलने से ही सफलता मिल सकती है। हमारे पूर्वजों ने अपने धर्म का पालन करते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति जिस प्रकार अपने कर्तव्य का पालन किया उसी के कारण उनका जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणादायी बना हुआ है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेखावाटी संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाना तभी सार्थक है जब हम उनके बताए मार्ग पर चलने का अभ्यास करें। महापुरुषों का जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है लेकिन उस प्रेरणा का महत्व तभी बना रहेगा जब हम उसके अनुरूप कर्म भी करते रहें। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें ऐसा मार्ग प्रदान करता है जिस पर चलकर हम भी अपने पूर्वजों की भांति क्षत्रिय धर्म का पालन कर सकें। नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने कहा कि राव दूदा जी ने न केवल वीरता के क्षेत्र में अतुलनीय उदाहरण रखा बल्कि आध्यात्मिक क्षेत्र में भी अपनी भक्ति और श्रद्धा से ऐसा वातावरण तैयार किया कि उस कुल में जयमल राठौड़ और मीराबाई जैसे भक्तों ने जन्म लेकर पूरे संसार को भक्ति और प्रेम का पाठ पढ़ाया। बजरंग सिंह रायथलिया ने सभी से राव दूदा जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया एवं संग्राम सिंह गिंगालिया ने मेड़तिया वंश का इतिहास बताया। मकराना प्रांत प्रमुख शिवराज सिंह आसरवा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रायथलिया, आसरवा, नंगवाड़ा , लोरोली, कालवा, बरवाली, मनानी, नावद, सफेड़, जाखली, बेगसर, जूसरी, जूसरिया, गांवडी, खोजास, गेलासर, चिण्डालिया, जिवादिया आदि गांवों से समाजबंधु सम्मिलित हुए।

मुरलिया, पुष्कर और सापुण्दा में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशालाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला 15-16 जून को चित्तौड़गढ़ के मुरलिया ग्राम में सम्पन्न हुई, जिसमें चित्तौडगढ के सहयोगी शामिल हुए। कार्यशाला के अलग-अलग सत्रों में विभिन्न सामाजिक समस्याओं व उनके निराकरण के उपायों पर मंथन किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी व श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के समन्वयक रेवंत सिंह पाटोदा ने चर्चा में बताया कि समाज के प्रति हमारा आत्मीय भाव हमारी सक्रियता में परिणत हो तभी वह सार्थक होगा। इस सक्रियता के निर्माण और इसको बनाए रखने में हमारे निरंतर संपर्क का अत्यधिक महत्त्व है। निरंतर संपर्क और संवाद हमारा मार्गदर्शन भी करेगा और हमारे उत्साह को भी बनाए रखेगा। कार्यशाला में संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली भी उपस्थित रहे। फाउंडेशन की अजमेर टीम की दो दिवसीय कार्यशाला 22-23 जून को पुष्कर स्थित राजस्थान रिजॉर्ट में संपन्न हुई। रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ एवं इसके आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहयोगियो ने अजमेर जिले में फाउंडेशन के कार्यों को गति देने पर चर्चा की और आगे की गतिविधियों के लिए कार्य योजना तैयार की। फाउंडेशन की अजमेर-केकड़ी टीम की दो दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रवर फार्म हाउस सापुण्दा (केकड़ी) में 15-16 जून को संपन्न हुई। फाउंडेशन के सदस्य देशराज सिंह द्वारा फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया, साथ ही केकड़ी जिले में फाउंडेशन की गतिविधियों बारे में भी जानकारी दी गई। आगामी माह में प्रस्तावित कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालियां भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

राव चाम्पा जी शिक्षण संस्थान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

बाड़मेर के शिव कस्बे में स्थित राव चाम्पा जी शिक्षण संस्थान द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह 2023-24 का आयोजन 23 जून को किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद कर्नल मानवेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा का आज के समय में सबसे अधिक महत्व है, लेकिन साथ ही संस्कारों का महत्व भी कम नहीं है। इसलिए समाज की युवा पीढ़ी को शिक्षा एवं संस्कार दोनों उपलब्ध कराना आवश्यक है। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के समारोह का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए। रावत त्रिभुवन सिंह ने कहा कि बाड़मेर की अनेकों प्रतिभाएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए पूरे देश में बाड़मेर को गौरवान्वित कर रही हैं। यह शिक्षा का ही प्रभाव है और हमें युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए अधिकाधिक प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए। समारोह में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को, सरकारी सेवा में चयनित होने वाली समाज की प्रतिभाओं को एवं राज्य व राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 300 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। नरेंद्र प्रताप सिंह कोटड़ा ने सभी का स्वागत किया। संस्थान में नवीन कक्षों के निर्माण एवं अन्य प्रकार के सहयोग की भी समाज बंधुओ द्वारा घोषणाएं की गई।

गडरारोड में राजपूत समाज का स्नेहमिलन

गडरा रोड तहसील मुख्यालय पर स्थित श्री हरसिद्धि शिक्षण संस्थान में राजपूत समाज का स्नेहमिलन कार्यक्रम 21 जून को श्री हरसिद्धि शिक्षण संस्थान एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है, इसलिए इस प्रकार के शिक्षण संस्थान समाज के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे इतिहास के विकृतिकरण के जो प्रयास हो रहे हैं उन्हें विफल करने के लिए हमें अपने महापुरुषों की स्मृति में निरंतर कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के छात्रावास भवन को सुचारू रूप से प्रारंभ करने हेतु 24 जून से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में आगामी दिनों में गडरारोड में पीर पिथौरा स्मृति समारोह, गिराब में राव रिडमल राठौड़ स्मृति समारोह तथा हरसाणी में वीरवर बांकीदास भाटी स्मृति समारोह मनाने का निर्णय लिया गया एवं इनके आयोजन की रूपरेखा तय करते हुए वीरम सिंह जैसिंधर को समारोह समिति के संयोजक का दायित्व सौंपा गया।

झाला मन्ना बलिदान दिवस एवं हल्दीघाटी शौर्य दिवस मनाया

महाराणा प्रताप तथा मेवाड़ के लिए अपना बलिदान देने वाले वीरवर राजराणा झाला मान सिंह (झाला मन्ना) का 448वां बलिदान दिवस तथा हल्दीघाटी शौर्य दिवस 18 जून को बड़ी सादड़ी के झाला मन्ना सर्कल परिसर में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह से पूर्व बड़ी सादड़ी के झरखाना मोड़ से शोभायात्रा भी निकाली गई जिसका नगर में कई स्थानों पर सर्व समाज द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभा यात्रा के समारोह स्थल पर पहुंचने के बाद झाला मन्ना की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। समारोह को सुदर्शनाचार्य जी महाराज, राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा केंद्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह मेतवाला, युग प्रदीप सिंह हमीरगढ़, करणी सेना के जीवन सिंह शेरपुर, व्यवसायी भीम सिंह कुराबड़, बड़ी सादड़ी नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कंठालिया आदि ने संबोधित किया और झाला मन्ना के बलिदान और महाराणा प्रताप के नेतृत्व में लड़े सैनिकों द्वारा हल्दीघाटी युद्ध में दिखाए गए शौर्य को नमन किया। समारोह को प्रतिवर्ष भव्य रूप में मनाने तथा बड़ी सादड़ी में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा लगाने की भी सभा में घोषणा की गई। इस अवसर पर हनुमंत सिंह बोहेड़ा, नारायण सिंह बडोली, कृष्ण पाल सिंह ब्यावर, नारायण सिंह चिकलाना सहित राजस्थान तथा मध्य प्रदेश के विभिन्न गांवों से पधारे गणमान्य समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे।

हल्दीघाटी रणक्षेत्र के रूपणमाता मंदिर में भी श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा हल्दीघाटी युद्ध की वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युद्ध में वीरगति को प्राप्त होने वाले रणबांकुरों की स्मृति में सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। वक्ताओं द्वारा प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप सहित हल्दीघाटी के सूरमाओं के शौर्य का वर्णन किया गया और स्वामीभक्त चेतक, झाला मान, हकीम खां सूरी सहित युद्ध में वीरगति पाने वाले रणबांकुरों को नमन किया गया। मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला व प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह भेसाणा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संपादकीय

अहंकार को मिटाएं, संवेदना को जगाएं

मनुष्य स्वभावतः सामाजिक प्राणी है और इसीलिए मनुष्य ने एक जाति के रूप में जीवित रहने के लिए समाज व्यवस्था को आधार बनाया। मनुष्य के विकास को भी किसी व्यक्ति के विकास से नहीं बल्कि एक जाति के रूप में, एक समाज के रूप में उसके विकास से ही मापा जाता है और उसका पतन भी उसके सामूहिक स्वरूप के व्यापक आचरण में आई गिरावट से ही मापा जाता है। मनुष्य की इस स्वाभाविक सामाजिकता का अर्थ है कि मनुष्य दूसरे मनुष्यों से अविच्छेद्य रूप से जुड़ा हुआ है। चाहे इस अविच्छिन्नता को हम भौतिक रूप से मनुष्यों की परिवार, समाज आदि के रूप में एक दूसरे पर निर्भरता के रूप में देखें, पूरी मानव जाति में संवेगों, भावनाओं आदि की समानताओं के रूप में देखें अथवा चेतना के स्तर पर तत्वगत एकता के रूप में देखें, पर यह तो स्पष्ट ही है कि यह अविच्छिन्नता एक अटल सत्य है जिसे नकारा नहीं जा सकता। यह अविच्छिन्नता ही मनुष्य की सामाजिकता और सामूहिकता को वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान करती है और इस अविच्छिन्नता को अनुभव करके ही समाज की अनिवार्यता और आवश्यकता को भी समझा जा सकता है। मानव समाज की इस अविच्छिन्नता को अनुभव करने का व्यक्ति के पास जो माध्यम है, वह है उसकी संवेदना। मनुष्य की संवेदना ही वह गुण है जो उसे अन्य व्यक्तियों से, समाज से और पूरी मानवता से उसके संबंध को अनुभूत कराने में सक्षम है। आज हम चारों तरफ मानवता के पतन और क्षरण का जो दृश्य देख रहे हैं उसमें मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता का ह्रास एक बहुत बड़ा कारण है। संवेदनशीलता के इस ह्रास का सबसे बड़ा कारण है आधुनिक युग का व्यक्तिवाद, जो व्यक्ति के अहंकार को सब ओर से पोषण प्रदान करके मनुष्य को संवेदनहीन बनाता जा रहा है। व्यक्तिवादी अहंकार और संवेदनशीलता में व्युत्क्रमानुपाती संबंध है, अर्थात एक के बढ़ने पर दूसरा घटता है और एक के घटने पर दूसरा बढ़ता है। वर्तमान समय में जितने भी विचारों के प्रसार के साधन हैं, मनोरंजन अथवा सूचनाप्राप्ति के माध्यम हैं, शिक्षण की प्रणालियां हैं, वे सभी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में व्यक्तिवाद को बढ़ावा देने का ही कार्य कर रहे हैं और उसी का परिणाम है कि मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता उसी अनुपात में न्यून होती जा रही है। संवेदनशीलता के इस ह्रास के परिणामस्वरूप मनुष्य की सामाजिकता और सामूहिकता बिखर रही है और इस बिखराव से मनुष्य के निर्बाध पतन का मार्ग खुल रहा है। मनुष्य अधिक से अधिक भोगवादी और आत्मकेंद्रित होकर अपने ही विनाश की ओर बढ़ रहा है।

व्यक्तिवादी अहंकार के उत्तरोत्तर उन्नयन और संवेदनशीलता के क्रमिक ह्रास के इस विश्वव्यापी दुष्चक्र से हम भी अछूते नहीं है। अपने चारों ओर दृष्टिपात करें तो हम पाएंगे कि व्यक्तिवाद का रोग हमारे समाज में निरंतर बढ़ता जा रहा है। एक ओर जहां यह व्यक्तिवाद व्यक्ति को तुच्छ स्वार्थों में उलझा कर उसे सामाजिक दायित्वों से विलग करके एकांकी और संकुचित जीवन जीने वाला बना रहा है तो दूसरी ओर सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय दिखाई देने वालों में भी यह व्यक्तिवाद उनके अहंकार को बढ़ाकर उन्हें आत्मचिंतन की बजाय आक्षेपों और आलोचनाओं के निरर्थक क्रियाकलापों तक सीमित कर रहा है। ऐसा स्वार्थी और अहंकारी जीवन संवेदनशीलता से रहित होता है और इसीलिए समाज की वास्तविक चाह और आवश्यकता को समझने में अक्षम होता है। ऐसा जीवन समाज की भावना और चेतना के साथ एकाकार नहीं हो पाता और इसीलिए समाज की सच्ची प्रगति में भी सहयोगी नहीं हो पाता। ऐसे उदाहरण हमें अपने आसपास बहुतायत में मिल जाएंगे जहां कई व्यक्तियों का ज्ञान अथवा बुद्धिमत्ता भी अहंकार के कारण सामाजिक हित में प्रयुक्त होने की अपेक्षा विखंडन और नकारात्मकता को ही बढ़ावा देने के साधन बन जाते हैं। ऐसे अहंकारी व्यक्तित्वों में संवेदनशीलता के अभाव के कारण वे समाज के प्रति कृतज्ञता, अपनत्व और दायित्व बोध जैसी भावनाओं को गहराई से अनुभव नहीं कर पाते और इसीलिए सामूहिक सहयोग की भावना भी उनमें विकसित नहीं हो पाती। इसीलिए हमारे भीतर इस प्रकार का आत्मचिंतन सदैव चलते रहना चाहिए कि कहीं हमारी संवेदनशीलता सूख तो नहीं रही है और कहीं हमारा अहंकार हमारे सामाजिक और सहयोगी भाव को नष्ट तो नहीं कर रहा है। हमें स्मरण रखना चाहिए कि भारतीय संस्कृति भी इसी संवेदनशीलता, सामाजिकता, सहयोगी भाव और अस्तित्व के साथ अविच्छिन्नता की अनुभूत धारणा के आधार पर विकसित हुई थी। इसी अविच्छिन्नता की अनुभूति के कारण हमारे पूर्वजों ने प्राणिमात्र के रक्षण को अपने दायित्व के रूप में अनुभव किया और उस दायित्व का पालन करते हुए क्षात्रधर्म पालन का अनूठा इतिहास रचा। इसीलिए हमारी भारतीयता और क्षात्रधर्म के पुनरोदय के लिए भी यह आवश्यक है कि हम व्यक्तिवाद और अहंकार के जाल से बाहर निकलें और अपने भीतर उस संवेदनशीलता को जगाएं जो अस्तित्वगत एकता से हमारा परिचय करा सके।

इन सभी कारणों से ही श्री क्षत्रिय युवक संघ व्यक्तिवाद और अहंकार को समाज का मुख्य शत्रु मानता है और उनके उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयत्नरत है। संघ की शिक्षण प्रणाली में हर प्रकार से व्यक्तिवाद को हतोत्साहित किया जाता है, अहंकार पर चोट की जाती है और सामूहिक व सहयोगी भाव को विकसित करने पर सर्वाधिक जोर दिया जाता है। संघ में व्यक्तिगत अहंकार को सामाजिक स्वाभिमान में नियोजित करने का अभ्यास कराया जाता है, साथ ही सखाभाव और समाज के प्रति कृतज्ञता के भाव का सृजन कर हमारी संवेदनशीलता को जागृत किया जाता है क्योंकि संवेदनशीलता के इस गुण के बिना श्री क्षत्रिय युवक संघ को भी सही अर्थों में जाना नहीं जा सकता। पूज्य श्री तनसिंह जी ने एक पुस्तक में लेखन के रूप में व्यक्त की गई अपनी भावनाओं के लिए कहा है कि - ₹यह मेरे एकान्त में बहाए हुए आँसू हैं जिनकी कीमत संवेदनशील व्यक्ति के सामने बहुमूल्य हैं और भावना रहित व्यक्ति के सामने निरा पागलपन।₹ इसलिए उच्चकोटि की भावनाएं भी, जो हृदय में प्रवेश करने पर हमारे जीवन को उदात्त बनाने की क्षमता रखती हैं, संवेदनशीलता के अभाव में हमारे लिए निरर्थक बन सकती हैं। जीवन में दिव्यता के प्रवेश की परिस्थितियों के संबंध में भी यही सत्य है। इसलिए आएं, हम भी अहंकार को मिटाने और संवेदना को जगाने की श्री क्षत्रिय युवक संघ की इस प्रक्रिया का अंग बनें और सम्पूर्ण मानवता ही नहीं बल्कि उससे भी बढ़कर संपूर्ण अस्तित्व के साथ अपनी अविच्छिन्नता को अनुभव करें और उसके माध्यम से अपने जीवन के वास्तविक हेतु को समझकर उसे पूरा करने की ओर अग्रसर होवें।

शेखावाटी संभाग की वार्षिक कार्ययोजना बैठक संपन्न

16 जून को शेखावाटी संभाग की वार्षिक कार्ययोजना बैठक का आयोजन चुरू स्थित श्री बणीर राजपूत छात्रावास में किया गया जिसमें संभाग में वर्ष भर में आयोजित होने वाले संघ के विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। शेखावाटी संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने कहा कि इस वर्ष को शाखा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा इसलिए इस वर्ष संभाग में अधिकतम शाखा लगाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। बैठक में इस वर्ष संभाग में लगने वाले शिविरों के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। संभाग के तीनों प्रान्तों को मण्डलों में बांट कर स्वयंसेवकों को इनका दायित्व दिया गया। बैठक में मातु सिंह मानपुरा, मोहनसिंह फ्रांसा, गिरवरसिंह जलाऊ, देवेंद्र सिंह सहनाली, किशन सिंह गोरीसर, प्रदीप सिंह लुनासर, जुगराज सिंह जुलियासर सहित अनेकों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

अजमेर प्रांत की कार्ययोजना बैठक बिलिया में संपन्न

अजमेर प्रांत की वार्षिक कार्ययोजना बैठक दाता फार्म हाउस बिलीया (केकड़ी) में 16 जून को आयोजित हुई। अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया द्वारा आगामी वर्ष में अजमेर प्रांत में प्रस्तावित शिविर, जयंती कार्यक्रमों आदि के बारे में अवगत करवाया गया। जसवंत सिंह डोराई, शंकर सिंह राठौड़, शंकर सिंह नरूका, भगवान सिंह देवगांव, सत्यनारायण सिंह पिपलाज, दुर्गा सिंह बिलिया, कान सिंह सोल, घनश्याम सिंह नागोला, धर्मेन्द्र सिंह खिरिया, राजबहादुर सिंह बिलिया आदि समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सनावड़ा व राजगढ़ में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन

पोकरण क्षेत्र के सनावड़ा गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष साप्ताहिक शाखा एवं सामूहिक यज्ञ का आयोजन 23 जून को किया गया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने उपस्थित समाजबंधुओ को संबोधित करते हुए कहा कि हम हमारे परिवारों में सात्विक वातावरण का निर्माण करें और अपने बच्चों को हमारे इतिहास और संस्कृति की जानकारी दें। हम अपने कुल के गौरव को अनुभव करें कि भगवान ने भी जब-जब अवतार लिया है तो इसी कुल में लिया है। संघ चाहता है कि हम सभी एकता व बंधुत्व के भाव के साथ मिलकर रहें और आने वाली पीढ़ी को क्षात्रधर्म का पाठ पढ़ाएं। जैसलमेर संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सैंकड़ों समाजबंधु मातृशक्ति सहित सम्मिलित हुए। इससे पूर्व 16 जून को जैसलमेर के राजगढ़ में भी विशेष शाखा व सामूहिक हवन का आयोजन हुआ जिसमें वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उपस्थित समाजबंधुओ को क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी देते हुए शाखा का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान संघशक्ति पथप्रेरक के सदस्य भी बनाए गए।

अवानिया में मनाई हरिसिंह जी गढुला की जयंती

गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत की अवानिया शाखा में 17 जून को स्वर्गीय हरि सिंह जी गढुला की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने हरिसिंह जी गढुला का जीवन परिचय दिया और बताया कि हरि सिंह जी का सामाजिक भाव बहुत प्रबल था। समाज के प्रति उनके चिंतन ने ही उन्हें पूज्य श्री तनसिंह जी के संपर्क में आने के लिए प्रेरित किया और वे ही श्री क्षत्रिय युवक संघ को गुजरात में लेकर आए। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें भी समाज को अपने जीवन का केंद्र बनाना चाहिए। कार्यक्रम में मंगल सिंह धोलेरा एवं अजीत सिंह थलसर अन्य स्वयंसेवकों के साथ उपस्थित रहे।

हमारे आचरण से होता है संघ का मूल्यांकनः संघप्रमुख श्री

जोधपुर

जालोर

(पेज एक से लगातार)

संघप्रमुख श्री द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं व शंकाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्नेहभोज भी रखा गया। दोपहर के सत्र में माननीय संघप्रमुख श्री ने संघ के स्वयंसेवकों से शाखा को लेकर चर्चा की और कहा कि यह वर्ष श्री क्षत्रिय युवक संघ 'शाखा वर्ष' के रूप में मनाएगा जिसमें संघ के प्रत्येक स्वंयसेवक को कम से कम एक शाखा लगानी है या कम से कम एक शाखा में जाना है। इस वर्ष गांव-गांव, ढाणी-ढाणी में संघ की शाखा प्रारंभ हो, इसके लिए आपको उत्साह व कर्मठता के साथ संघ कार्य करना होगा। यह वर्ष अणुव्रत से महाव्रत की यात्रा है और इसमें हमें पूज्य श्री तनसिंह जी के आदर्श स्वयंसेवक की कल्पना को साकार करने का प्रयत्न करना है। संघप्रमुख श्री ने शाखा को आदर्श बनाए रखने के लिए शाखा में नियमितता व निरन्तरता, रूचि को जागृत करना, पूरे महीने की कार्ययोजना पूर्व में तैयार करना, चंदन कार्यक्रम, सामुहिक शाखा, भ्रमण कार्यक्रम, हमारे त्यौहार, महापुरुषों की जयन्तियां आदि विभिन्न आयामों के बारे में समझाया। सांयकालीन सत्र में सभी स्वंयसेवकों ने अपने-अपने प्रांत-अनुसार बैठकें करके वार्षिक कार्ययोजना बनाई। संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय ने पूरे संभाग की संकलित कार्य योजना सामने रखी एवं बिंदुवार लक्ष्य तय करते हुए तदनुरूप दायित्व सौंपे। 13 जून को प्रातःकालीन सत्र में माननीय संघप्रमुख श्री ने अष्टसूत्री कार्यक्रम के बारे में विस्तार से समझाया। इसके पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में उन सामाजिक सहयोगियों का स्नेहमिलन रखा गया जिन्होंने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्मशताब्दी वर्ष में सहयोग किया। स्नेहमिलन में सबने एक दूसरे का परिचय प्राप्त किया व आपसी सहयोग को निरंतर बनाए रखने का संकल्प लिया। माननीय संघप्रमुख श्री ने कहा कि एकता की स्थापना आफत आने पर नहीं बल्कि शांति काल में ही संभव है। आफत या बवंडर के समय तो उस स्थापित एकता का सदुपयोग किया जाना चाहिए। जो समाज शांति के समय एकता बनाना सीख जाता है वह समाज कभी टूटता नही है। उन्होंने कहा कि क्षत्रिय कभी परिणाम की चिंता नही करता है, वह केवल अपना कर्तव्य पालन करता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का आधार त्याग की ही भावना है। कार्यक्रम में उपस्थित समाजबन्धुओं ने भी संघ व समाज के प्रति अपने विचार रखे। कार्यक्रम में शामिल सहयोगियों को माननीय संघप्रमुख श्री द्वारा यथार्थ गीता व संघ साहित्य भेंट किया गया। अंत में स्नेहभोज भी रखा गया। इसके पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री संघ के संभागीय कार्यालय 'तनाश्रम' पहुंचे। जैसलमेर प्रवास के दौरान संघप्रमुख श्री राम सिंह जी की छतरी व माता राणी भटियाणी मन्दिर के दर्शन भी किए। उन्होंने तेजमालता पहुंचकर स्वंयसेवक वैण सिंह तेजमालता के पिताजी की शोक सभा मे उपस्थित होकर पुण्यात्मा को पुष्पांजलि दी। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक गंगा सिंह तेजमालता, रेवंत सिंह झिनझिनयाली व गोपाल सिंह रणधा से मिलकर उनकी कुशल-क्षेम जानी।

माननीय संघप्रमुख श्री इसके पश्चात जैसलमेर से रवाना होकर जोधपुर पहुंचे जहां उनके सान्निध्य में जोधपुर संभाग का दो दिवसीय संभागीय स्नेहमिलन जोधपुर स्थित तनायन कार्यालय में 14-15 जून को आयोजित हुआ। संघप्रमुख श्री ने स्वयंसेवकों से चर्चा करते हुए कहा कि हम पूज्य श्री तनसिंह जी को तो मानते हैं लेकिन साथ ही हमें पूज्य श्री तनसिंह जी की भी माननी चाहिए अर्थात् उनके बताए मार्ग पर निष्ठापूर्वक चलना भी चाहिए तभी पूज्य श्री को मानना भी सार्थक होगा। जब तक हम स्वयं को बदलने के लिए तत्पर नहीं होंगे तब तक हम संघ के आदर्श स्वयंसेवक नहीं बन सकेंगे। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक सहयोगियों सहित स्नेहमिलन में उपस्थित रहे और संभाग की वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत की। आगामी सत्र के लिए उद्देश्य तय करते हुए तदनुरूप दायित्व भी स्वयंसेवकों को सौंपे गए। इसके पश्चात माननीय संघप्रमुख श्री बालोतरा पहुंचे जहां उनके सान्निध्य में बालोतरा संभाग का दो दिवसीय स्नेहमिलन बालोतरा स्थित वीर दुगार्दास राठौड़ छात्रावास में आयोजित हुआ। 15-16 जून को संपन्न हुए इस स्नेहमिलन में स्वयंसेवकों से चर्चा करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ संपूर्ण योग मार्ग है लेकिन हमारे लिए यह उतना ही सार्थक होगा जितना हम इसे अपने जीवन में उतार पाएंगे। यदि हम पूरी तरह से अपने जीवन को संघ के अनुरूप बना लें तो हमें जीवन का परम लक्ष्य भी प्राप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य लोकसंग्रह का है इसलिए हमें अपने व्यक्तित्व और आचरण को श्रेष्ठ बनाए रखना है जिसको देखकर अन्य लोग भी हमसे प्रेरणा ले सकें। संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी सहयोगियों सहित स्नेहमिलन में उपस्थित रहे और वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए पूरे सत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित किए एवं स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे। यहां से माननीय संघ प्रमुख श्री जालौर पहुंचे जहां जालौर संभाग का दो दिवसीय स्नेहमिलन 16-17 जून को जालौर शहर स्थित विद्या भारती विद्यालय परिसर में आयोजित हुआ। संघप्रमुख श्री ने स्वयंसेवकों से कहा कि साधक के लिए मौन एक महत्वपूर्ण गुण है। यदि व्यक्ति को सार्थक और सारगर्भित रूप में बोलना है तो उससे पहले उसे लंबे समय तक मौन साधना करनी पड़ती है। मौन रहने का अर्थ केवल वाणी से ना बोलना ही नहीं है, बल्कि इसके साथ ही अपने भीतर भी नीरवता को स्थापित करना है। जब हमारा संपूर्ण व्यक्तित्व मौन और नीरव होता है तभी हम अपने भीतर गुंजायमान सत्य को सुन सकते हैं। इस सत्य को जानने से ही हमारे में वह क्षमता आती है कि हम सार्थक रूप से बोल सकें क्योंकि सत्य ही शब्दों को सार्थकता प्रदान करता है। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे और संभाग की वार्षिक कार्ययोजना प्रस्तुत की।

इससे पूर्व बाड़मेर संभाग का दो दिवसीय संभागीय स्नेहमिलन बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में 10-11 जून को माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों से चर्चा करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि यह वर्ष शाखा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है इसलिए सभी स्वयंसेवकों को शाखा में अवश्य जाना है। हमें निरंतर अपना अंतरावलोकन करते हुए अपने भीतर तनसिंह जी का आह्वान करना है। उन्होंने कहा कि संघ के प्रत्येक स्वयंसेवक को अष्ट सूत्री कार्यक्रम का पालन करना है। ऐसा करने पर हमारे भीतर संघ कार्य करने के लिए आवश्यक क्षमताएं जागृत होंगी। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने बाड़मेर संभाग की वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत की जिसमें प्रांतवार शिविर, शाखाओं की संख्या, संघशक्ति-पथप्रेरक की सदस्यता, स्नेहमिलन आदि बिंदुओं सहित स्वयंसेवकों द्वारा लिए गए विभिन्न दायित्वों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। संभाग के आठों प्रांत - बाड़मेर शहर, बाड़मेर ग्रामीण, चौहटन, सेड़वा, शिव, हरसानी, गडरा रोड एवं गुड़ामालानी के प्रांत प्रमुख सहित 90 स्वयंसेवक स्नेहमिलन में उपस्थित रहे।

जैसलमेर

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द
कॉर्निया
नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी
रेटिना
बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी
ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाएं

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं। इन परिणामों में समाज के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से कुछ की सूचना पथप्रेरक कार्यालय में प्राप्त हुई है। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं की एक सूची यहां प्रकाशित की जा रही है। शेष सूची व जिन विद्यार्थियों की सूचना आगे प्राप्त होगी, उनका विवरण अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

कक्षा 10

01.	पूजा कंवर पुत्री सुमेर सिंह	खुमाणसर-जैसलमेर	10 (आरबीएसई)	91.83
02.	मोनिका कंवर पुत्री शीशपाल सिंह भाटी	नारायणसर (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	90.67
03.	ईश्वर सिंह पुत्र देवी सिंह भाटी	नाहर सिंह नगर तेना (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	94.00
04.	नीरज कंवर पुत्री मदन सिंह	दूठवा (सांचौर)	10 (आरबीएसई)	94.33
05.	ओंकार सिंह पुत्र गणपत सिंह	भेलानी (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	95.67
06.	हिमानी कंवर पुत्री रणवीर सिंह शेखावत	बीकानेर	10 (सीबीएसई)	91.00
07.	दिव्या कंवर पुत्री राजेन्द्र सिंह	नोखागांव-बीकानेर	10 (आरबीएसई)	91.17
08.	भव्या राठौड़ पुत्री कृष्ण देव सिंह	सिंचाना (पाली)	10 (आरबीएसई)	98.33

विशेष: छात्रा ने पाली जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

09.	भैरू सिंह पुत्र शम्भु सिंह	पावटा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	92.17
10.	तनु राठौड़ पुत्री सुरजन सिंह	दत्तानी (नागौर)	10 (आरबीएसई)	98.17
11.	हिमांशी कंवर पुत्री गोपाल सिंह	तांबड़िया कल्ला (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	95.17

विशेष: छात्रा श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक दिलीप सिंह गड़ा की भांजी है।

12.	तीर्थराज सिंह पंवार पुत्र गोविंद सिंह	बनकोंडा (डूंगरपुर)	10 (आरबीएसई)	96.00
13.	कृष्णा राठौड़ पुत्री कालू सिंह	गाढ़वाला-बीकानेर	10 (आरबीएसई)	96.50
14.	ज्योति पुत्री हनुमान सिंह	धांगडवास (पाली)	10 (आरबीएसई)	94.33
15.	राम सिंह पुत्र मोहन सिंह	सिराणा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	92.50
16.	तारेन्द्र सिंह पुत्र देरावर सिंह	चौक (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	90.83

विशेष: छात्र के पिता देरावर सिंह चौक श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं।

17.	तनीषा कंवर पुत्री लोकेंद्र सिंह	सिरडी	10 (आरबीएसई)	90.17
18.	चित्रांशा राजावत पुत्री हरनाथ सिंह राजावत	गोरसिया (चित्तौड़गढ़)	10 (सीबीएसई)	95.00
19.	सेतुसमुद्रम सिंह पुत्र भागीरथ सिंह राठौड़	देवगांव (केकड़ी)	10 (आरबीएसई)	92.17
20.	हमीर सिंह पुत्र यशपाल सिंह राठौड़	राजलिया (नागौर)	10 (आरबीएसई)	90.50
21.	ज्योति शेखावत पुत्री शक्ति सिंह शेखावत	झाझड़ (झुंझुनूं)	10 (आरबीएसई)	93.17
22.	सुरेंद्र सिंह पुत्र भंवर सिंह	झझू (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	97.67
23.	महावीर सिंह पुत्र शायर सिंह	तेहंदेसर (चुरू)	10 (आरबीएसई)	97.00
24.	भवानी सिंह पुत्र इंद्र सिंह	धोबा (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	91.50
25.	हर्षिता सिंह पुत्री प्रेम सिंह चौहान	मूंडली बानसूर (कोटपुतली बहरोड़)	10 (आरबीएसई)	93.33
26.	महिपाल सिंह पुत्र सुमेर सिंह	राजीकावास-जालौर	10 (आरबीएसई)	90.17
27.	पूरण कंवर पुत्री राम सिंह चौहान	दाखा (बालोतरा)	10 (आरबीएसई)	90.67
28.	निकिता कंवर पुत्री माधो सिंह कर्मसोत	नोखागांव (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	91.33
29.	निशा कंवर पुत्री हेम सिंह	नोखागांव-बीकानेर	10 (सीबीएसई)	92.20
30.	लक्ष्यराज सिंह सोलंकी पुत्र दुर्गेंद्र सिंह	लेसरदा (बूंदी)	10 (आरबीएसई)	91.67
31.	शुभकरण सिंह पुत्र डूंगर सिंह रावलोत	गड़ियाला-बीकानेर	10 (आरबीएसई)	91.17
32.	वीरेंद्र सिंह पुत्र पूर्ण सिंह	दहीवा (जालौर)	10 (आरबीएसई)	92.83
33.	किशन सिंह पुत्र दौलत सिंह	सांगाना (जालौर)	10 (आरबीएसई)	91.50
34.	इंद्रा कंवर पुत्री लाबू सिंह बालावत	काठाडी (बालोतरा)	10 (आरबीएसई)	96.67
35.	महिपाल सिंह पुत्र जोग सिंह	बजावास-बालोतरा	10 (आरबीएसई)	90.00
36.	कनिष्का पुत्री सुरेंद्र सिंह नरूका	मानपुरा (अलवर)	10 (आरबीएसई)	98.17
37.	हर्षिता कंवर पुत्री सुमेर सिंह चंदेल	रूपनगढ़ (अजमेर)	10 (आरबीएसई)	95.17
38.	पूरण सिंह पुत्र स्व. रतन सिंह भाटी	डाभड भाटियान-बालोतरा	10 (आरबीएसई)	95.67
39.	योगांशी राठौड़ पुत्री देवेंद्र सिंह राठौड़	महेंद्रगढ़-भीलवाड़ा	10 (आरबीएसई)	96.17
40.	ऋषिराज सिंह पुत्र प्रवीण सिंह	टापरा (बालोतरा)	10 (आरबीएसई)	91.50
41.	भानू प्रताप सिंह पुत्र जगवीर सिंह	दूठवा (सांचौर)	10 (आरबीएसई)	93.83
42.	आस्था कंवर पुत्री कल्याण सिंह	झंझेऊ (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	95.50

कक्षा 12

01.	हर्षवर्धन सिंह पुत्र भागीरथ सिंह	झंझेऊ (बीकानेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	91.60

विशेष : छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर किए हैं।

02.	भोम सिंह पुत्र उम्मेद सिंह	मूलाना (जैसलमेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.80
03.	जयदीप सिंह चुंडावत पुत्र जगपाल सिंह	पायरा (सलूंबर) (आरबीएसई)	12 विज्ञान वर्ग	93.80
04.	स्वरूप सिंह पुत्र मदन सिंह	गंगासरा (बाड़मेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	95.40

विशेष : छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर किए हैं।

05.	लोकेंद्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह	भणियाणा (जैसलमेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.80
06.	पूजा कंवर पुत्री इंदर सिंह	कोटडिया इंद्राणा (सिवाना)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	94.60
07.	प्रियंका कंवर पुत्री कुंदन सिंह	भोजास (नागौर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	95.20
08.	मुस्कान शेखावत पुत्री अजीत सिंह शेखावत	मांढा (कोटपुतली बहरोड़)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	94.40
09.	गुंजन कंवर पुत्री विक्रम सिंह राठौड़	नेगड़िया (राजसमंद)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	90.00
10.	विपुल सिंह पुत्र शम्भु सिंह	पावटा (जालौर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	96.20
11.	अभिषेक सिंह राजावत पुत्र कृष्ण पाल सिंह	राणावतों का खेड़ा (भीलवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	94.60
12.	सवाई सिंह पुत्र गुलाब सिंह सोढा	कीता (जैसलमेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	94.40
13.	मूमल कंवर पुत्री कालू सिंह चौहान	बंबोरा (उदयपुर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	97.80
14.	राजलक्ष्मी शक्तावत पुत्री धीरज सिंह शक्तावत	मदारा (राजसमंद)	12 कला वग (सीबीएसई)	98.20
15.	परी पुत्री शिवराज लाल सिंह	सेवा (जयपुर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	92.20
16.	चंदा कंवर पुत्री गजे सिंह भाटी	करोली (राजसमंद)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	96.80
17.	अरुण सिंह पुत्र उम्मेद सिंह	रेडाणा (बाड़मेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	93.60
18.	मिंटू कंवर पुत्री खेतू सिंह	आसरासर (चुरू)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.20
19.	शिवराज सिंह देवड़ा पुत्र जेठू सिंह	आबूगढ़ (बालोतरा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	97.40
20.	नेहा कंवर पुत्री मेघ सिंह भाटी	गोविंदसर (बीकानेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	94.60
21.	अल्पेश कंवर पुत्री गेन सिंह	इंद्रोई (बाड़मेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	90.20

विशेष : छात्रा के पिता गेन सिंह इंद्रोई श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं।

22.	दिशा सोलंकी पुत्री दुर्गेंद्र सिंह	लेसरदा (बूंदी)	12 कृषि विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	93.40
23.	प्रेम कंवर पुत्री नरपत सिंह	चादेसरा (बालोतरा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	95.40
24.	अनुरंजन सिंह खंगारोत पुत्र महेंद्र सिंह	निमाज (ब्यावर)	12 कला वर्ग (सीबीएसई)	92.00
25.	खुशबू कंवर राणावत पुत्री कल्याण सिंह	गुपंडा (उदयपुर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.20
26.	योगिता कंवर पुत्री गोपाल सिंह	भोजपुरा ढाणी (दौसा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.00

विशेष : छात्रा श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक नानू सिंह रूखासर की दोहिती है।

27.	लक्षपाल सिंह पुत्र उम्मेद सिंह (आरबीएसई)	डूंगरी (सांचौर)	12 कृषि विज्ञान वर्ग	90.50

विशेष : छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर किए हैं।

शेष सूची अगले अंक में

क्षत्रियोचित संस्कार सृजन की पाठशाला में संघदर्शन का व्यावहारिक अभ्यास

सेतरावा

(पेज एक से लगातार)

गिरवर सिंह एवं सुरेंद्र सिंह ईटावा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। भीलवाड़ा जिले के गुरला गांव में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 14 से 17 जून तक हुआ। बृजराज सिंह खारडा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि इस जगत में ईश्वरीय कृपा से ही हमें मनुष्य जीवन मिला है और इस जीवन को यदि श्रेष्ठ बनाना है तो वह श्रेष्ठ संस्कारों के अर्जन से ही संभव है। बिना संस्कारों के यह जीवन पशु के समान है। उन्होंने कहा कि हमें परिवार, समाज व राष्ट्र की सेवा करते हुए अपने जीवन को जीना चाहिये। यह तभी संभव होगा जब यहाँ जो कुछ भी शिक्षण पाया है वह हमारे जीवन व्यवहार का अभिन्न अंग बन जाये। इन चार दिनों में हमने खेलों, चचाओं, कहानियों, बौद्धिक आदि के माध्यम से जो कुछ भी ग्रहण किया है यहाँ से जाने के बाद उसे जीवन व्यवहार में उतारना है। शिविर में भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद और प्रतापगढ़ जिलों के 125 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के विदाई कार्यक्रम में केंद्रीय कार्यकारी गंगासिंह साजियाली भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रतापगढ़ जिले की दलोट तहसील के निनोर गांव में भी श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 11 से 14 जून तक आयोजित हुआ। संभागप्रमुख भंवर सिंह बेमला ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि जो अपने लक्ष्य को पहचान लेता है, वह भाग्यशाली है। अपने लक्ष्य को नहीं पहचान पाने वाले का जीवन व्यर्थ ही चला जाता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें हमारे सच्चे उद्देश्य की पहचान कराता है और उस उद्देश्य को पूरा करने का मार्ग भी प्रदान करता है। शिविर में राजस्थान के उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, अजमेर और मध्य प्रदेश के रतलाम व मंदसौर जिलों के 108 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजेंद्र सिंह निनोर एवं सुरेंद्र सिंह निनोर ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। उदयपुर के कानोड़ क्षेत्र के लूणदा गांव में स्थित केरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भी 8 से 11 जून तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए भंवर सिंह बेमला ने शिविरार्थियों से कहा कि अनुशासन का हमारे जीवन में विशेष महत्त्व है। अनुशासन से ही व्यक्तित्व में दृढ़ता आती है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर में भी इसीलिए अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है। यहां जिस अनुशासन का हमने अभ्यास किया है वह यदि हमारे जीवन का अंग बन जाएगा तो जीवन के प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में लूणदा, नरधारी, बेमला, पंचकुण्डी, जोधसिंह जी की भागल, मालनावास, झालों का खेड़ा, अजासर, कारोला, गेनावाटीया, बुधपुरा, चुंडावतों का खेड़ा, छायण मंदसौर, सरदार सिंह ढाणी, घोड़ो का खेड़ा, निमड़ी, अरनिया, सीरड़ी, नेतावल आदि स्थानों के स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। लूणदा के नरेंद्र सिंह, गोवर्धन सिंह, प्रदीप सिंह सहित समस्त ग्रामावासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। सिरोही प्रांत के रेवदर मंडल के नागाणी गांव में स्थित गुदरिया कृषि फार्म पर भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 20 से 23 जून तक आयोजित हुआ जिसमें नागाणी, डांगरालु, केसुआ, वड़वज, जालमपुरा, सरण का खेड़ा, सादलवा, मांडाणी, दहिवा आदि गांवों के 130 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन ईश्वर सिंह सांगाणा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि व्यक्ति में सद्गुणों का विकास नियमित एवं निरंतर अभ्यास से ही होता है और संसार में व्याप्त दुर्गुणों की समाप्ति भी सद्गुणों के निर्माण से ही संभव है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें सद्गुणों के अर्जन का अभ्यास करने के लिए अनुकूल वातावरण इन शिविरों के माध्यम से प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ चरित्र निर्माण के कार्य में लगा हुआ है, क्योंकि चरित्रवान व्यक्तियों से ही कोई समाज और राष्ट्र श्रेष्ठ बन सकता है। चरित्र का निर्माण केवल उपदेशों अथवा प्रचार से संभव नहीं है बल्कि कठिन अभ्यास और सच्ची प्रेरणा से ही चरित्र का निर्माण होता है। जगमाल सिंह, जसवंत सिंह, देवेंद्र सिंह, श्रवण सिंह नागाणी एवं अमर सिंह डांगराली ने स्थानीय समाजबंधुओ के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। नागौर संभाग में दांतीणा (खींवसर) गांव में स्थित हिंगलाज माता मंदिर में भी एक शिविर इसी अवधि में साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित हुआ। उगम सिंह गोकुल ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर के अंतिम दिन शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि यहाँ चार दिन तक हमने पूज्य तनसिंह जी द्वारा बताए मार्ग पर चलने का अभ्यास संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली के माध्यम से किया। ये अभ्यास हमारे जीवन का अंग बनें, इस हेतु हमें निरन्तर संघ से जुड़े रहने का प्रयत्न करना होगा और उसका माध्यम शाखा है। अतः हम सभी वर्ष पर्यन्त शाखा, शिविर सहित विभिन्न सांघिक गतिविधियों में सहभागी बनते रहें। शिविर में नागौर, खींवसर, मेड़ता व जायल क्षेत्र के 145 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा समस्त ग्रामवासियों ने मिलकर संभाला। जोधपुर जिले के सेतरावा गांव में स्थित सर्वोदय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 17 से 20 जून तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए स्वरूप सिंह खारी ने शिविरार्थियों से कहा कि वर्तमान समय में संगठन ही सबसे बड़ी शक्ति है। जो समाज संगठित नहीं है, वह अपने विरुद्ध होने वाले अन्याय का भी प्रतिकार नहीं कर सकता। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज को संगठित करने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक अनुशासित संगठन ही सच्चा संगठन है। बिना अनुशासन के कोई भी संगठन स्थाई नहीं रह सकता। इसलिए हमें समाज का अनुशासित सिपाही बनकर समाज में एकता स्थापित करने के लिए कार्य करना है। शिविर में सेतरावा, चौरड़िया, सोलंकियातला, लवारन, नाहरसिंह नगर, सोमेसर, सेखाला, देडा, देचू आदि गांवों के 170 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जैसलमेर संभाग के रामगढ़ प्रांत के सलखा गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 16 से 19 जून तक आयोजित हुआ। अमर सिंह रामदेवरा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों के भाल पर तिलक लगाकर उनका स्वागत करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारा स्वागत इसलिए कर रहा है कि उसे यह विश्वास है कि हम समाज की आशाओं को पूरा करेंगे। समाज के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए हमें वर्तमान का निर्माण अपने श्रम और त्याग से करना पड़ेगा। शिविर में भोजराज की ढाणी, पारेवर, लीला पारेवर, सोनू, सलखा, दामोदरा, खडेरो की ढाणी, दुजासर आदि स्थानों के 108 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। राजेंद्र सिंह सलखा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। जैसलमेर संभाग के ही चांधन प्रांत के सोढ़ाकोर गांव में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 20 जून से 23 जून तक आयोजित हुआ जिसका संचालन गोविंद सिंह अवाय द्वारा किया गया। शिविर में मुलाना, सनावड़ा, राजमथाई, तेजमालता, सोढ़ाकोर, अवाय, चांधन, डेलासर, बडोड़ा गांव, जैसलमेर शहर, राजगढ़, चौक, जेठा, नेड़ान आदि गांवों के 100 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। विदाई कार्यक्रम में शिविर संचालक ने शिविरार्थियों से कहा कि यहां हमने अपने पूर्वज महापुरुषों की जीवनियों को सुना है और उनका अनुसरण करने का पवित्र भाव अपने हृदय में जगाया है। चार दिन तक यहां रहकर हमने सामूहिक जीवन जीने का अभ्यास किया है, क्षत्रियोचित संस्कारों का अभ्यास किया है। उस अभ्यास को हमें शाखा के माध्यम से जारी रखना है। पप्पू सिंह सोढ़ाकोर ने ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था का दायित्व संभाला।

सलखा

ईटावा भोपाजी

मेवाड़ मालवा संभाग के अजमेर प्रांत के नागोला गांव में भी इसी अवधि में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का संचालन करते हुए बलवीर सिंह पिपलाज ने शिविरार्थियों को पूज्य श्री तनसिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी दी और कहा कि अपने स्वधर्म को भूल चुके क्षत्रिय समाज को पुनः उस स्वधर्म की याद दिलाने और उसका पालन करने के लिए प्रेरित करने का कार्य श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। संघ एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें से गुजर कर हम अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकते हैं, लेकिन ऐसा तभी होगा जब संघ में हमारी निरंतरता बनी रहेगी। शिविर में सोलखुर्द, ढिगारिया, बिलिया, परमवीर मेजर शैतानसिंह छात्रावास अजमेर, चापनेरी, देवगांव, डबरेला, धुवालिया, बिसुंदनी, देव खेड़ी, धानमा, देवरिया, तेलाडा, रायला आदि स्थानों से 102 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। घनश्याम सिंह नागोला ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

नागाणी

दातीणा

निनोर

राजपुरा बंधुओं को भ्रातृशोक

ओंकार सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक शिवपाल सिंह राजपुरा व जगदीश सिंह राजपुरा के भ्राता **ओंकार सिंह जी** का देहावसान 23 जून 2024 को गया हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

जीवराज सिंह दाखां को पितृशोक

श्री देवी सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक जीवराज सिंह दाखां के पिता **श्री देवी सिंह जी** का देहावसान 16 जून 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

चन्दन सिंह धोलिया का देहावसान

चन्दन सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **चन्दन सिंह जी धोलिया** (बारू) का देहावसान 21 जून 2024 को हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के सात शिविर किए जिनमें एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर, एक विशेष शिविर, चार माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं एक उच्च प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। अगस्त 1962 में जोधपुर में आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (महरोली)

को भारत सरकार में

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

बनने पर हार्दिक बधाई एवं

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

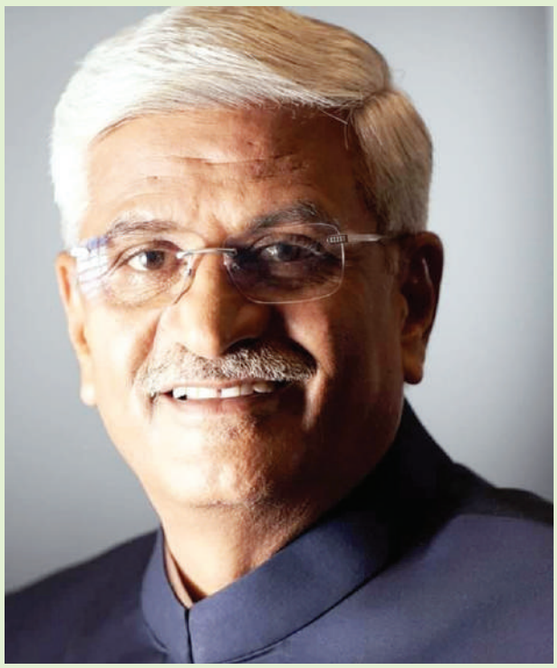

शुभेच्छुः

श्रवण सिंह दौलतपुरा	पाबूदान सिंह दौलतपुरा	रणजीत सिंह आलासन	दुर्जन सिंह बींजराड़
राजेंद्र सिंह मीठड़ी	बहादुर सिंह भेंसड़ा	राजू सिंह साल्वा खुर्द	ईश्वर सिंह जागसा
मिठू सिंह डूंगरी	गोविंद सिंह डूंगरी	जोग सिंह सिनली	उम्मेद सिंह बेलासर
परबत सिंह चांदेसरा	उगम सिंह शिवकर	सुरेंद्र सिंह पीपलाज	विक्रम सिंह लीलसर
चक्रवर्ती सिंह देसु	गजेंद्र सिंह केसुआ	भैंरू सिंह वेरारामपुरा	धीरेन्द्र सिंह सराणा

एवं समस्त स्वयंसेवक, नारायण शाखा भायंदर (मुंबई)

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org